Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 1

ईंटें, मनकें तथा अस्थियां

हड़प्पा सभ्यता

भाग - 6

प्रीतेश जोशी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

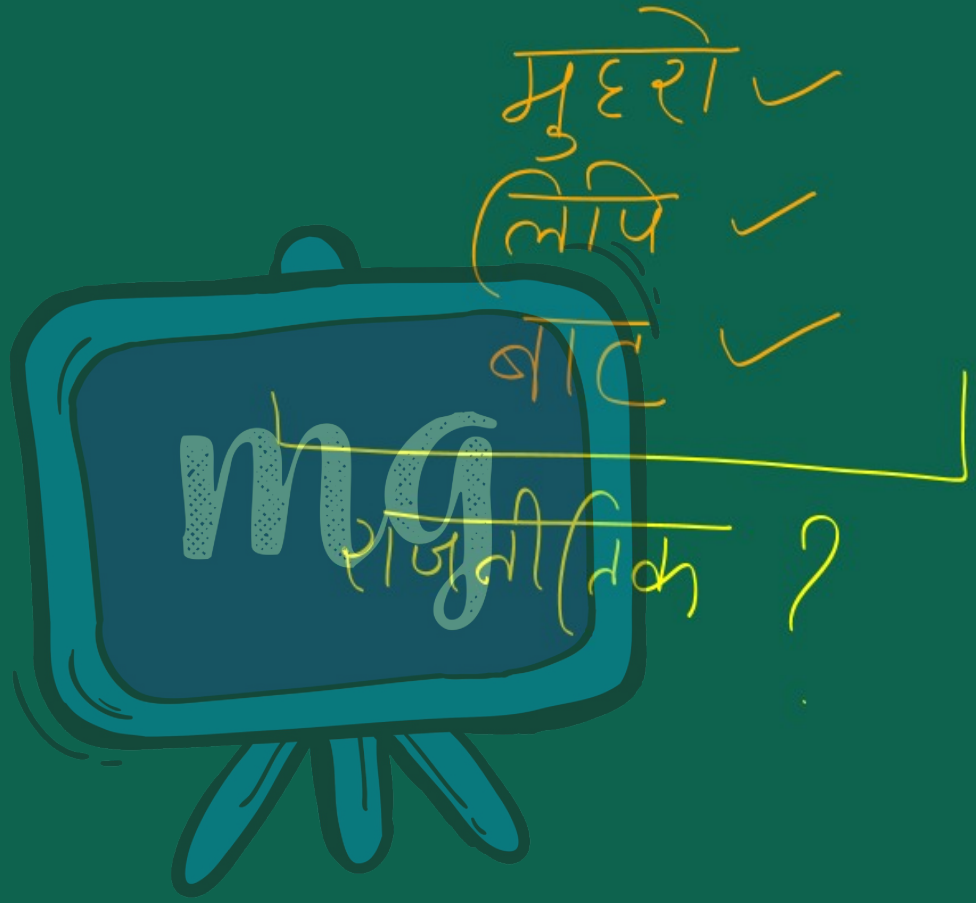

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

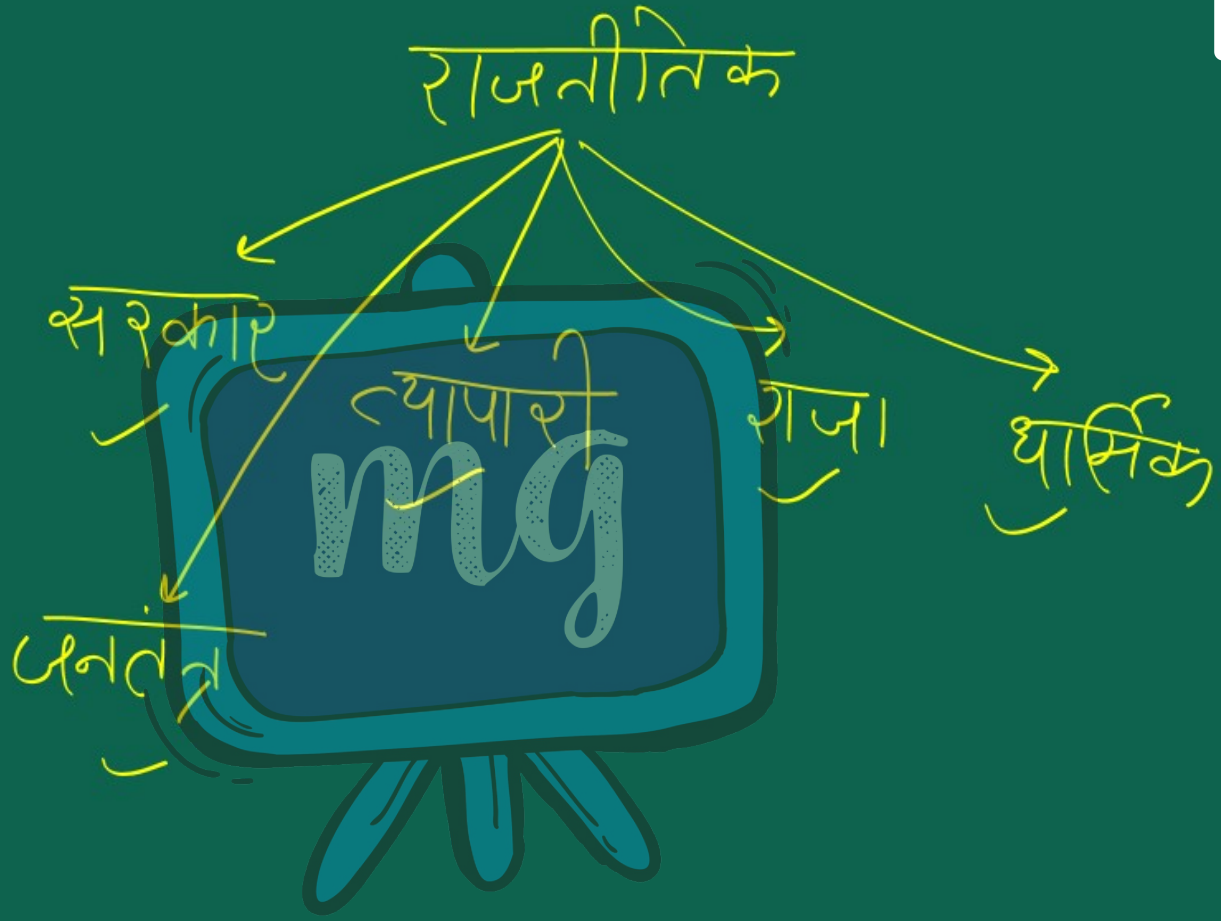

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मोहनजोदड़ो → प्रासाद → ×
(महल)
पुरावस्तु

पुरोहित राजा
धर्म + शासन

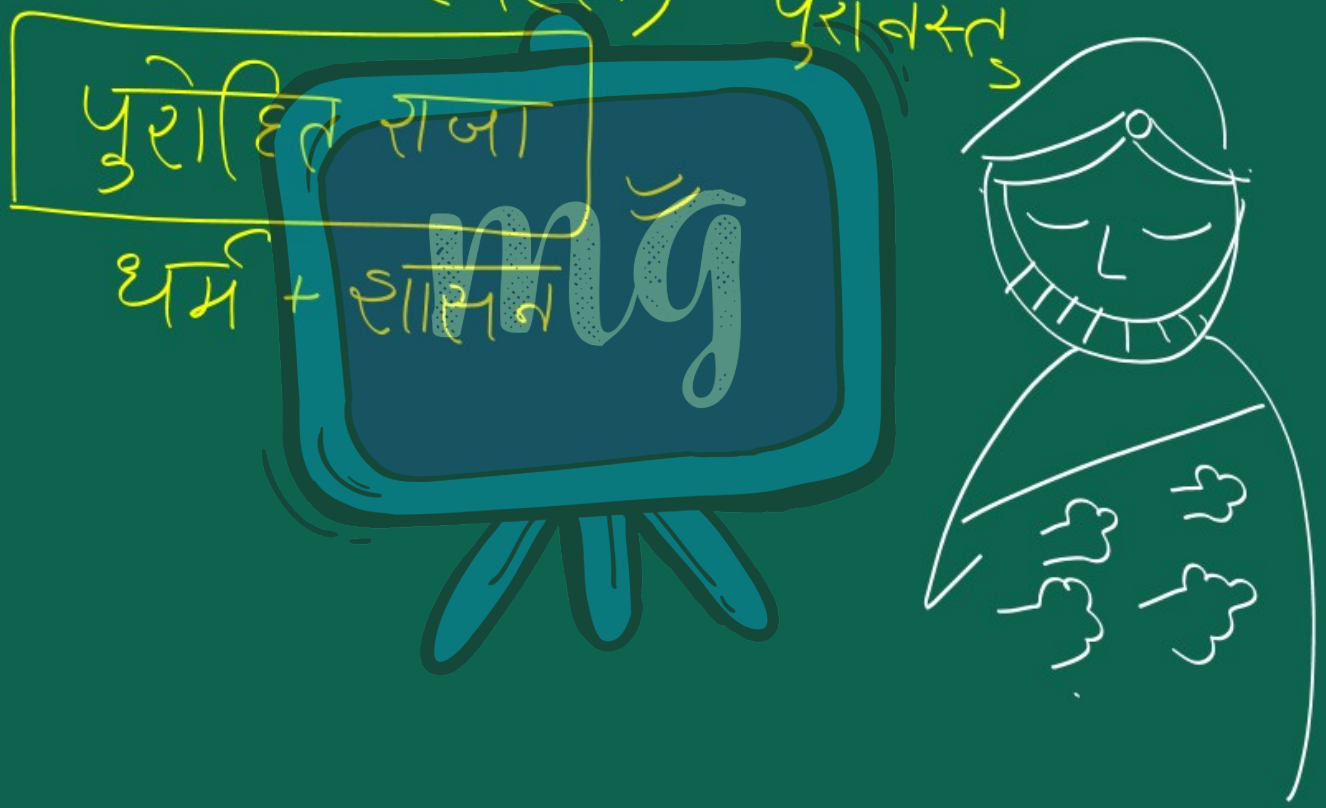

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

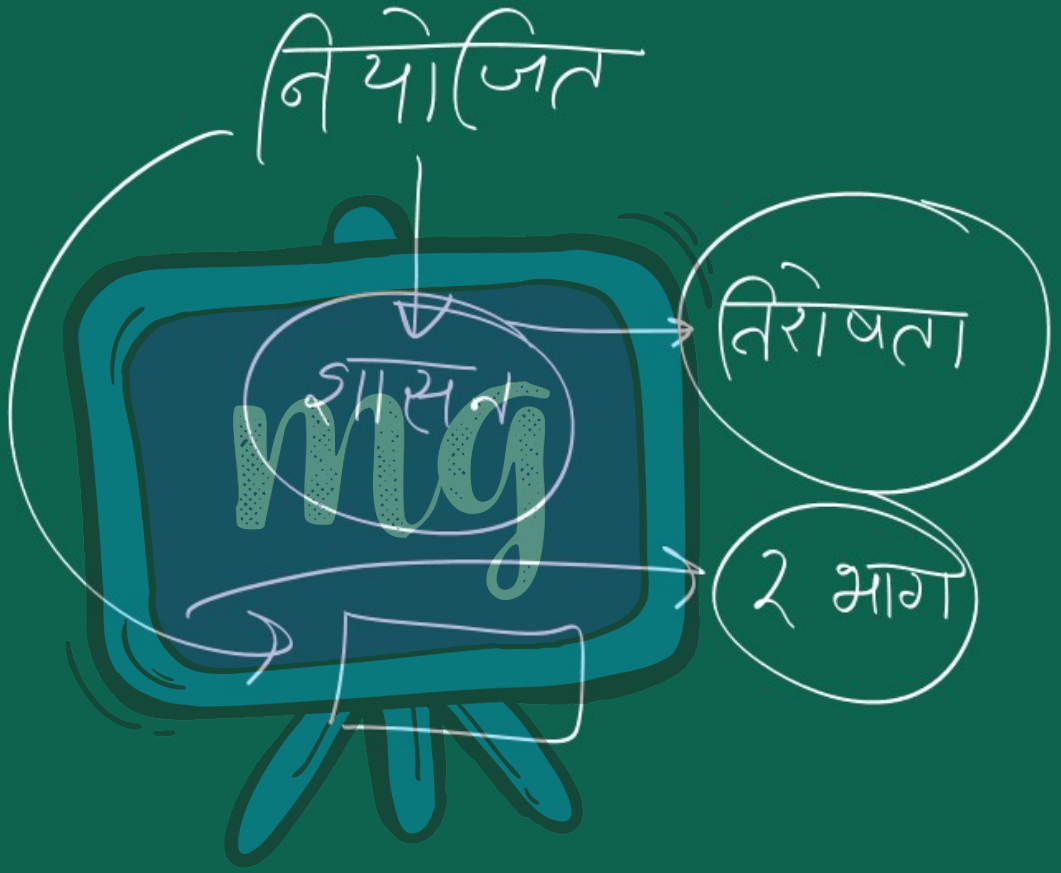

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सभ्यता में परिवर्तन के कारण

1. जलवायु परिवर्तन
2. वनों की कटाई
3. अत्यधिक बाढ़
4. नदियों का सूखना
5. भूमि का अत्यधिक उपयोग

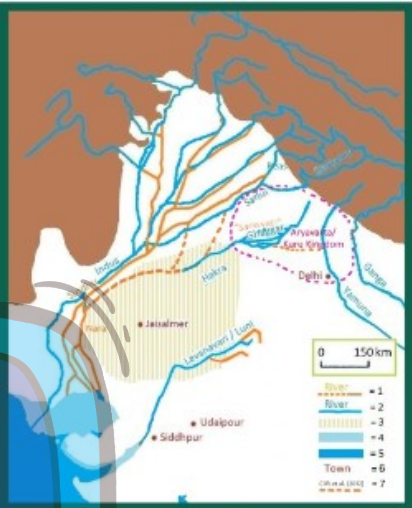

- हालांकि यह पूरी सभ्यता के पतन की व्याख्या नहीं करता।
- एक सुदृढ़ एकीकरण के तत्व हड़प्पाई राज्य का अंत हो गया था।
- मुहरों, लिपि, मनकों तथा मृदभाण्डों का लोप हो गया।
- मानकीकृत बाँटों के स्थान पर स्थानीय बाँटों का प्रयोग होने लगा। शहरों के पतन तथा परित्याग हुए।
- उपमहाद्वीप को अलग क्षेत्र में शहरों के विकास के लिए एक सहस्राब्दि तक प्रतीक्षा करनी पड़ी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

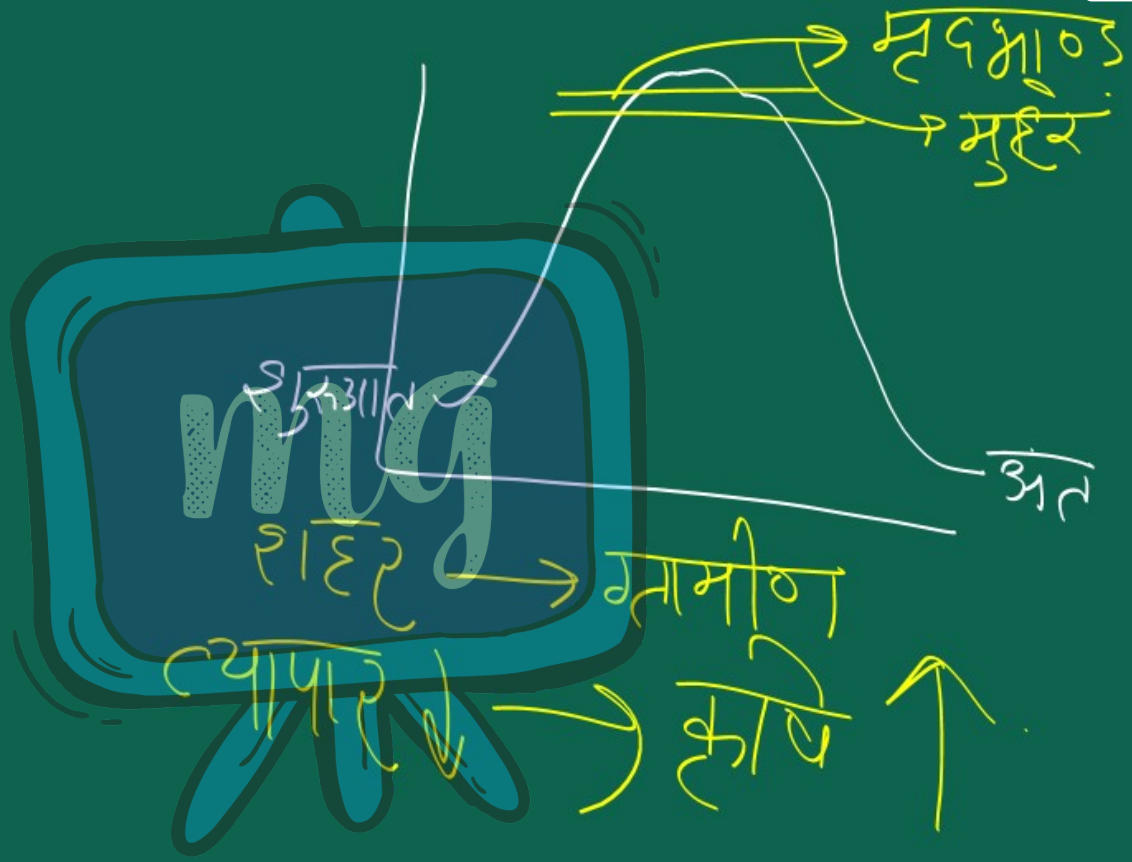

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

CM → चित्र X → बर्तन X

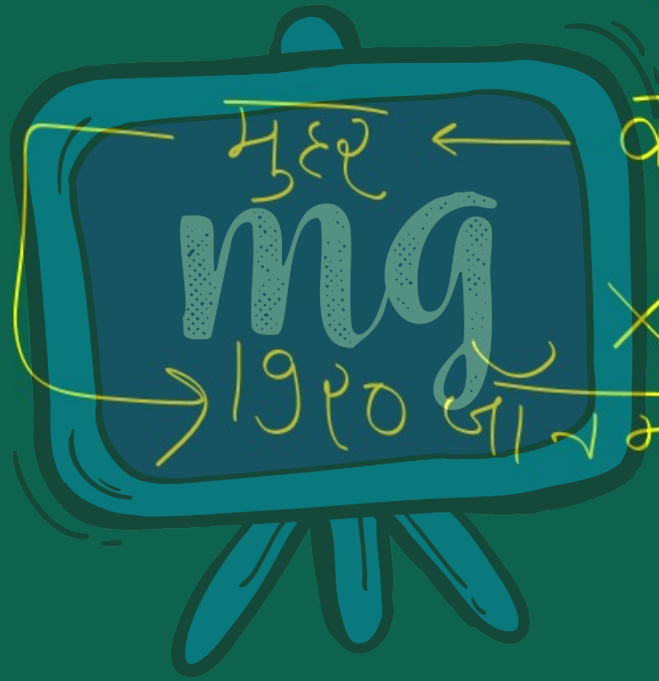

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

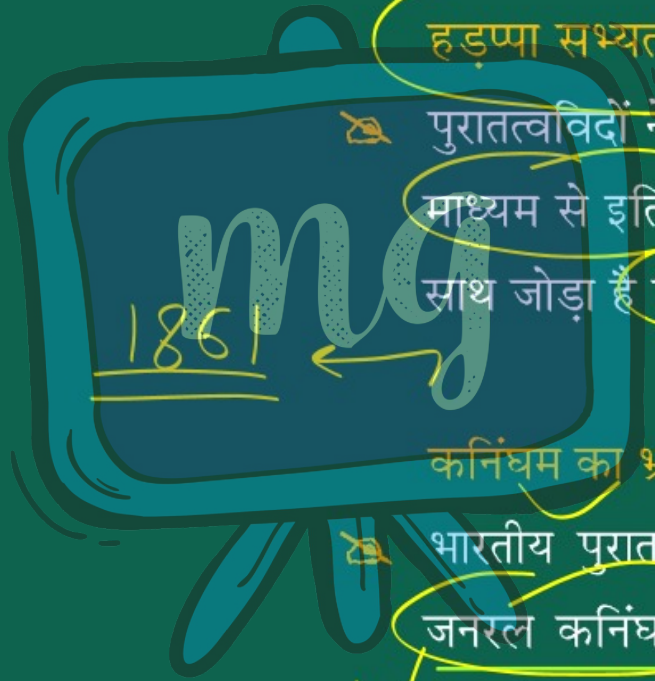

हड़प्पा सभ्यता की खोज :-

- पुरातत्वविदों ने भौतिक अवशेषों से प्राप्त साक्ष्यों के माध्यम से इतिहास के अलग अलग अंशों को एक साथ जोड़ा है जिससे एक सभ्यता की खोज हुई

कनिंघम का भ्रम :-

- भारतीय पुरातात्विक सवेक्षण के पहले डायरेक्टर जनरल कनिंघम ने उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में पुरातत्विक उत्खन्न प्रारम्भ किये।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

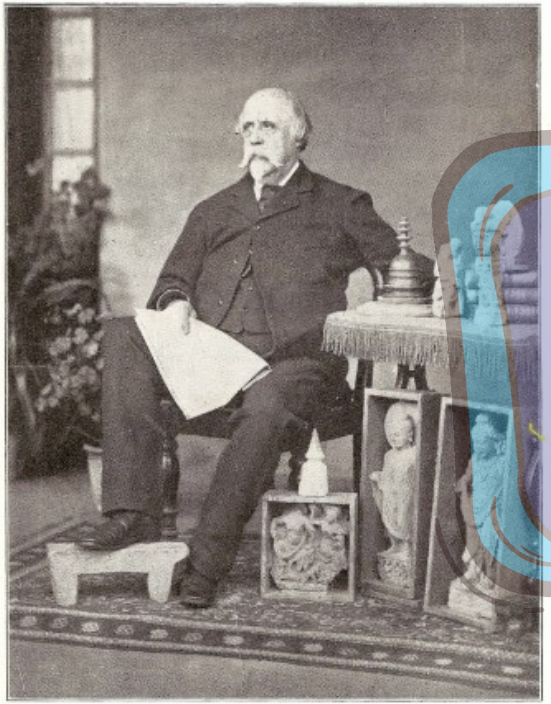

MAJOR-GENERAL SIR ALEXANDER C. CUNNINGHAM, K.C.S.I., C.I.E., LATE BENGAL ENGINEERS.

- कनिंघम के समय पुरातत्वविद् अपने अन्वेषणों के लिए साहित्य एवं अभिलेखों (लिखित स्त्रोतों) का प्रयोग अधिक पसंद करते थे।
- कनिंघम की रूचि भी आरंभिक ऐतिहासिक (600 ई. पू. – 400 ई. पू.) तथा उसके बाद के कालों से संबंधित पुरातत्व में थी।
- आरंभिक बस्तियों की पहचान के लिए कनिंघम में (400 ई. – 700 ई.) के बीच आये चीनी बौद्ध तीर्थयात्रियों द्वारा छोड़े गए वृतातों का प्रयोग किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

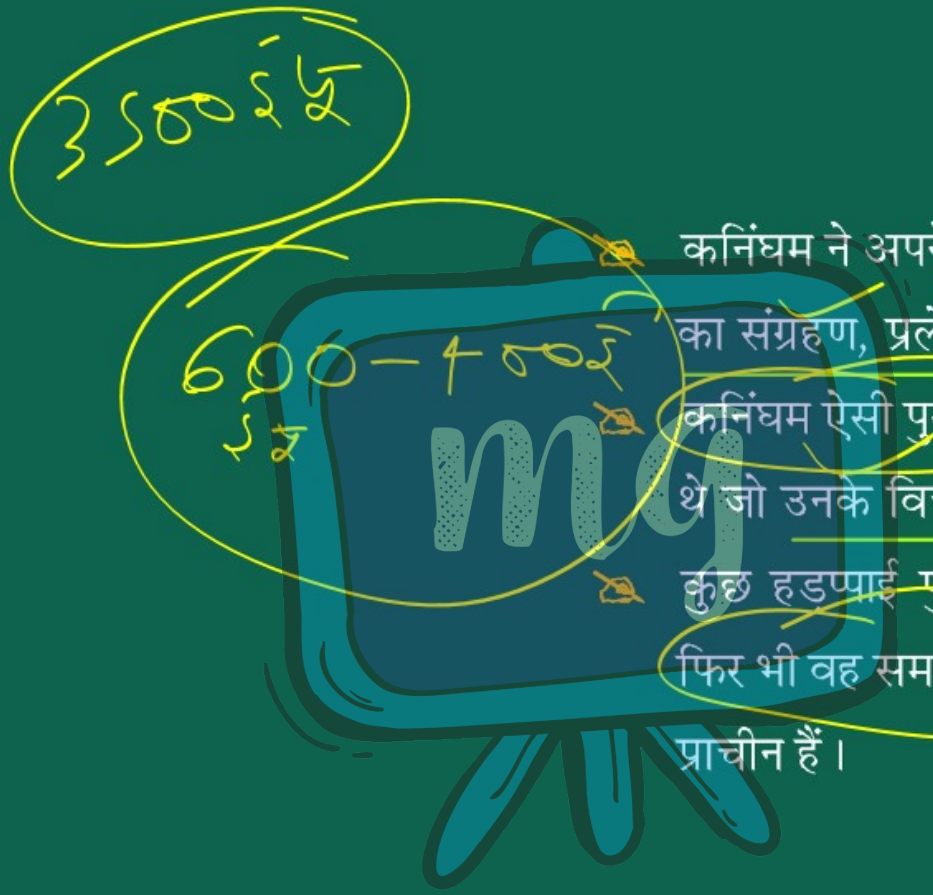

- कनिंघम ने अपने सर्वेक्षण के दौरान मिले अभिलेखों का संग्रहण, प्रलेखन तथा अनुवाद भी किया।
- कनिंघम ऐसी पुरावस्तओं को खोजने का प्रयास करते थे जो उनके विचार से सांस्कृतिक महत्व की थी।
- कुछ हडप्पाई पुरावस्तुएं कनिंघम तक पहुंची थी, फिर भी वह समझ नहीं पाये कि ये पुरावस्तुऐं कितनी प्राचीन हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

एक अंग्रेज ने कनिंघम को एक हड़प्पाई मुहर दी। उन्होंने मुहर पर ध्यान तो दिया लेकिन उसे एक ऐसे कालखंड में दिनांकित करने का असफल प्रयास किया जिससे वे परिचित थे। क्योंकि वे भारतीय इतिहास का प्रारम्भ गंगा की घाटी में पनपें शहरों के साथ ही मानते थे तथा अपनी इस सुनिश्चित अवधारणा के कारण ही वे हड़प्पा के महत्व को समझने में चूक गये।

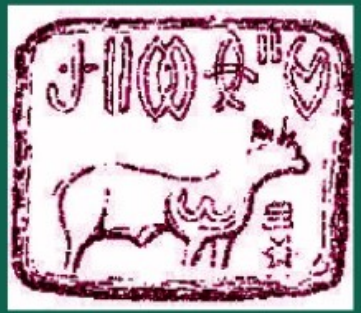

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

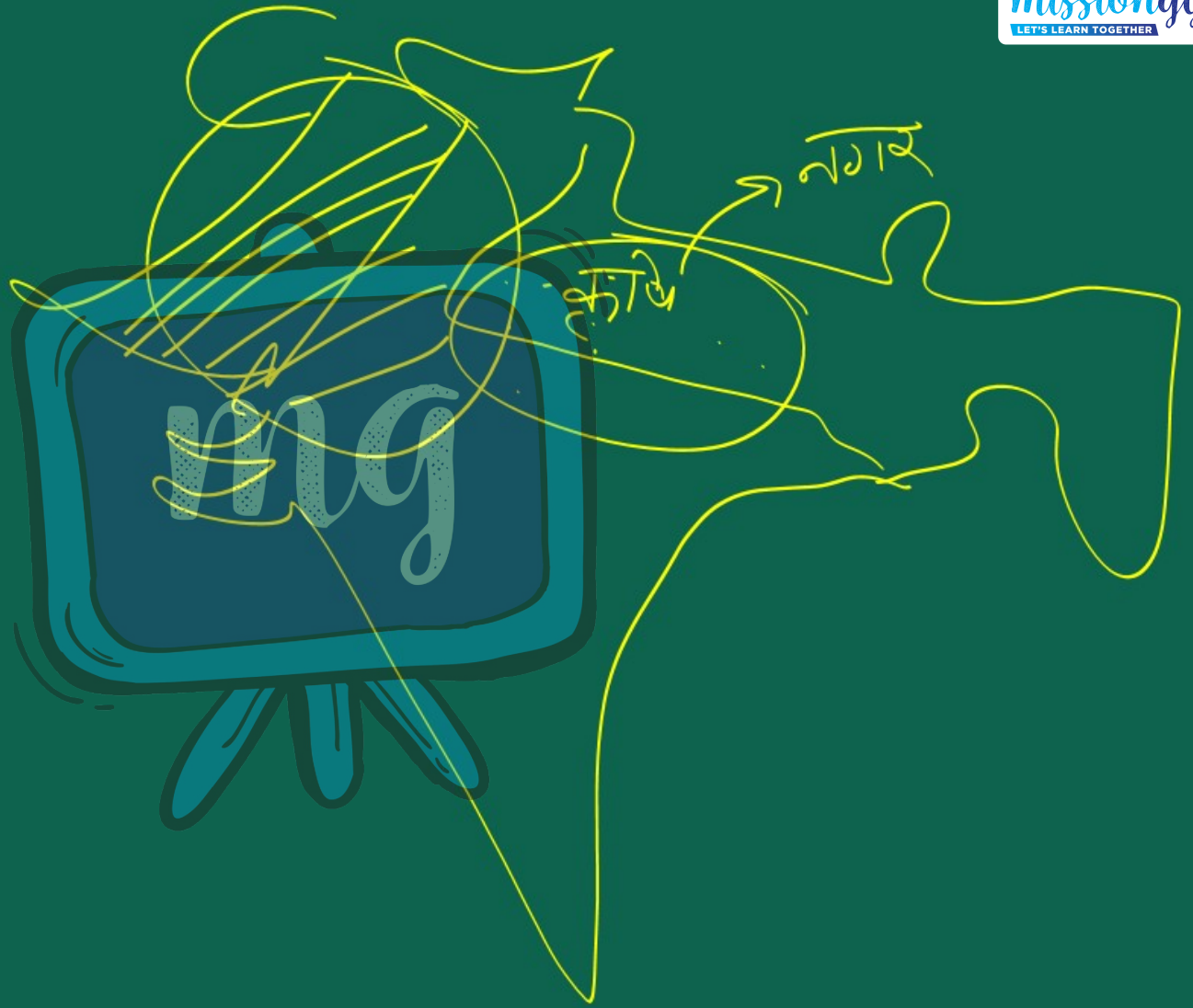

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

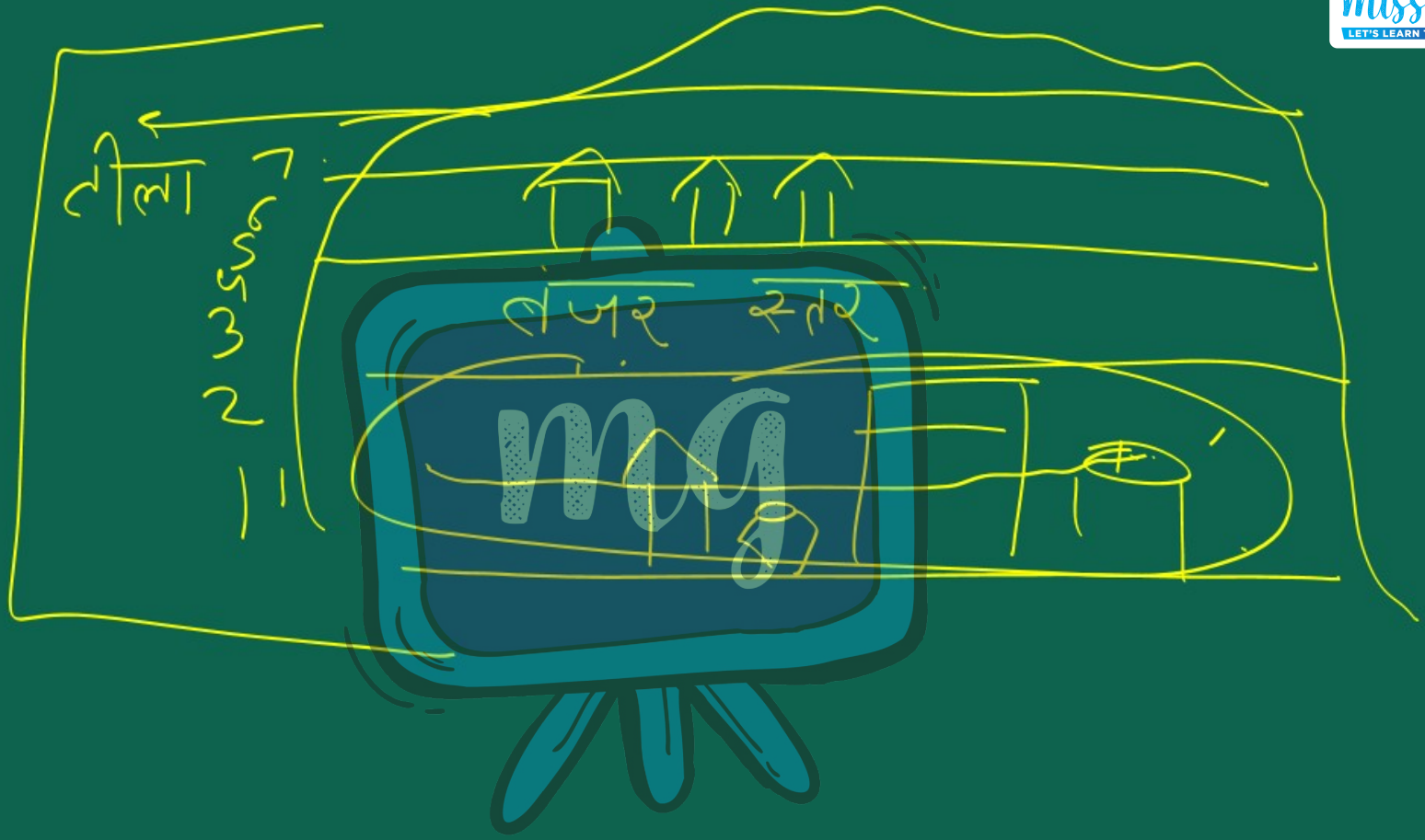

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

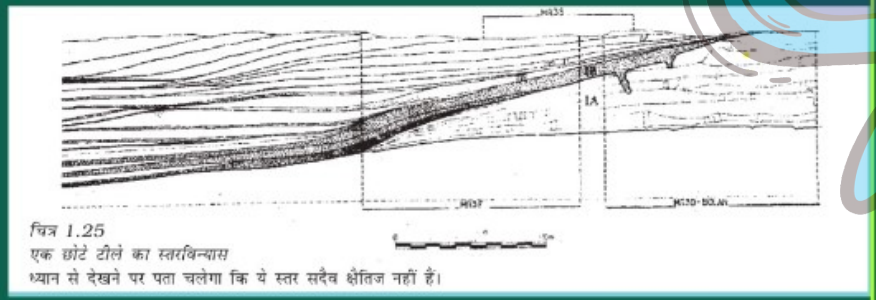

चित्र 1.25
एक छोटे टीले का स्तरविन्यास
ध्यान से देखने पर पता चलेगा कि ये स्तर सदैव क्षैतिज नहीं हैं।

पुरास्थल :– पुरातात्विक पुरास्थल वस्तुओं के निर्माण, प्रयोग और उन्हें त्याग दिये जाने से बनते हैं।

टीला :– जब लोग एक ही स्थान पर नियमित रूप से रहते हैं तो भूमि खण्ड के अनवरत उपयोग तथा पुनः उपयोग से आवासीय मलबों का निर्माण हो जाता है जिन्हें टीला कहते हैं।

अल्पकालीन अथवा स्थायी परित्याग करने के बाद हवा व पानी की क्रियाशीलता और कटाव के कारण भूमि खंड के स्वरूप में बदलाव आ जाता है।

इन टीलों से मिले स्तरों से प्राप्त वस्तुओं से आवास का पता चलता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

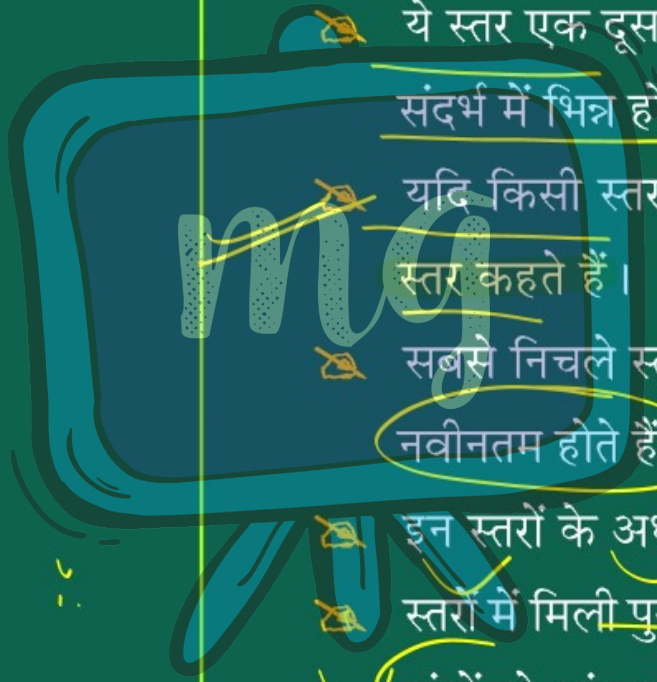

- ये स्तर एक दूसरे से रंग, प्रकृति और पुरावस्तुओं के संदर्भ में भिन्न होते हैं।
- यदि किसी स्तर में कुछ भी ना मिले तो उसे बंजर स्तर कहते हैं।
- सबसे निचले स्तर प्राचीनतम और सबसे ऊपरी स्तर नवीनतम होते हैं।
- इन स्तरों के अध्ययन को स्तरक्रम विज्ञान कहते हैं।
- स्तरों में मिली पुरावस्तुओं को विशेष सांस्कृतिक काल खंडों से संबद्ध किया जा सकता है जिससे एक पुरास्थल का पूरा सांस्कृतिक क्रम पता किया जा सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

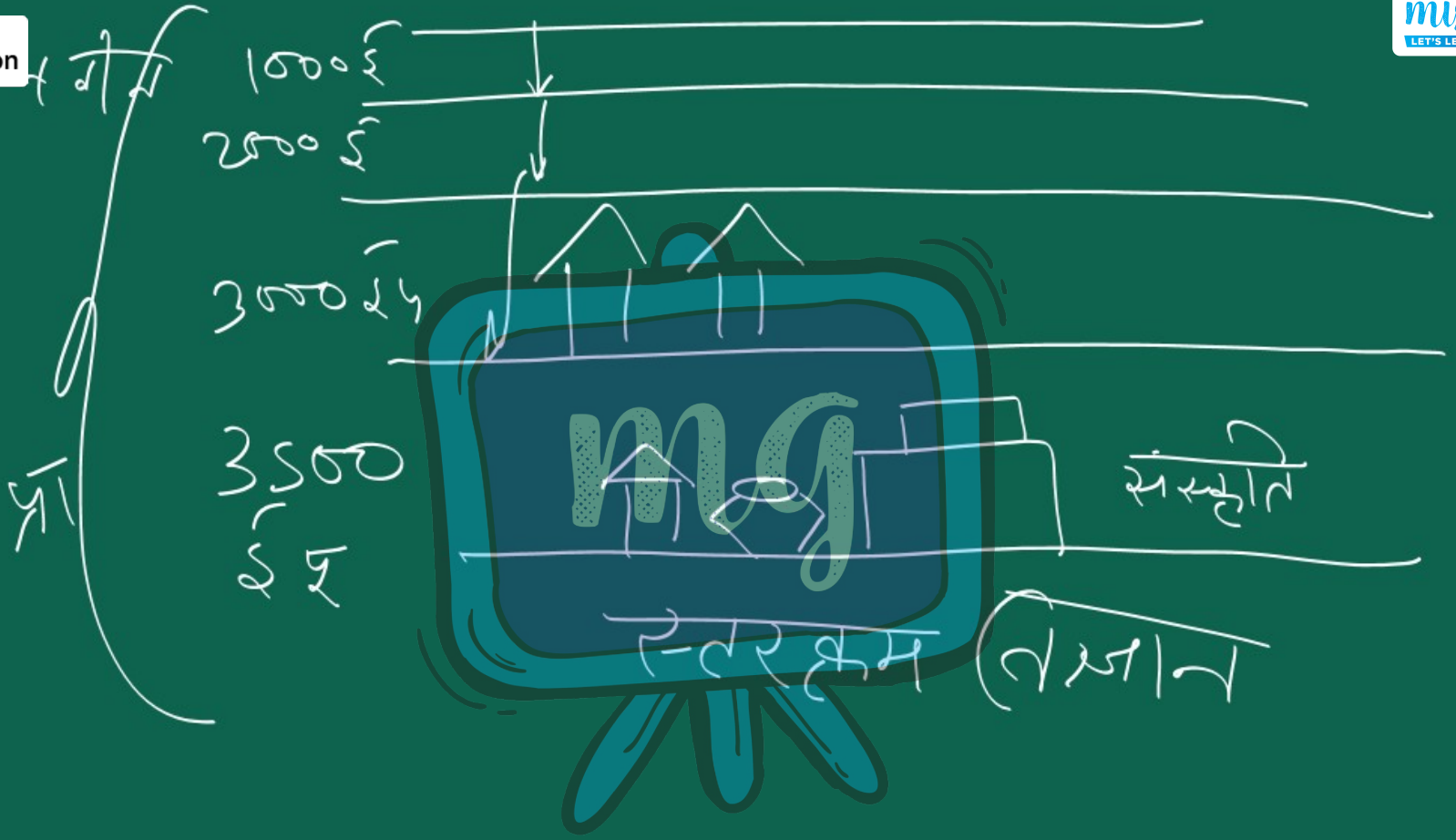

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Q. सभ्यता का अंत

Q. स्तरक्रम विज्ञान

Q. खोज